

दिनांक 19 जून 2020 को दोपहर 2 बजे से हिन्दी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ समिति द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था- "विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ" इस वेबिनार में शामिल प्रमुख वक्ता थे :-

1. एल्मर जोसेफ रेनर, टीचिंग एसोसिएट प्रोफेसर, कोपेन हेगेन विश्वविद्यालय, डेनमार्क
2. डॉ. विपुल गोस्वामी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, भारत
3. सुश्री एम. नधीरा शिवंति, हिंदी अध्यापिका, विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, कोलंबो, श्रीलंका
4. सुश्री जामीला खमेलकोवा, हिंदी अध्यापिका, कीव जिम्नेज़ियम ऑफ़ ओरिएण्टल लेंग्वेज-1, यूक्रेन.

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज सिन्हा ने वक्ता और आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार से हिन्दी शिक्षण के वैश्विक परिदृश्य का पता चलेगा. IQAC समिति के संयोजक डॉ. जे. के. सिंह ने कहा कि यह वेबिनार भाषा शिक्षण, साहित्य शिक्षण के साथ साथ अन्य विषयों से भी जुड़ता है.

कार्यक्रम के पहले वक्ता एमिटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, से आए जर्मन और हिन्दी भाषा के विद्वान् डॉ. विपुल गोस्वामी ने कहा कि दुनिया भर में हिन्दी के अध्ययन और अध्यापन के प्रति रुझान बढ़ रहा है. उन्होंने वैश्विक स्तर पर हो रहे हिन्दी शिक्षण का खाका प्रस्तुत किया. यूक्रेन की हिन्दी अध्यापिका सुश्री जामीला खमेलकोवा ने विस्तार से अपने देश में हो रहे हिन्दी शिक्षण की जानकारी देते हुए कहा कि प्राथमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण सामग्री का अभाव एक बड़ी समस्या है. श्रीलंका की सुश्री एम. नधीरा शिवंति ने कहा कि हमारे देश में हिन्दी की लोकप्रियता के पीछे हिन्दी फिल्मों की बड़ी भूमिका है. कोपेनहेगेन यूनिवर्सिटी, डेनमार्क के एसोसिएट प्रोफेसर एल्मर जोसेफ रेनर ने भारत की बहुभाषिकता के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए कहा कि यूरोप में भी यही स्थिति है जिसके कारण एक ही भाषा के अनेक रूप प्रचलन में हैं. एल्मर ने यूरोप में हो रहे हिन्दी शिक्षण की प्रविधि पर विस्तार से चर्चा की.

कार्यक्रम का संचालन वेबिनार संयोजिका डॉ. प्रोमिला ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने किया. इस वेबिनार में छात्र-छात्राओं के अलावा देश भर के अनेक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के अध्यापकों ने हिस्सा

लिया और प्रश्नोत्तर सत्र को ज्ञानवर्धक और संवादपरक बनाया. जूम पर आयोजित इस वेबिनार का सीधा प्रसारण फेसबुक पर भी किया गया.

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रस्तुत.

भवदीय

डॉ. प्रोमिला

(हिंदी विभाग)





